

केस संख्या :- /20

<p>10/10/24</p>	<p>पत्तावली पेश हुई कमील परकारान और विनाफ्त प्रताप प्राप्ति हुए, जत संलग्न है। वस्तु उत्पत्तों की पुनः व मीठा समीक्षण की रिपोर्ट का अवलोकन करने पर एक पाते हैं कि वादग्रस्त आराजी अ. न. 1348 अजायत 1305 किता 8 रजवाशेक हैं। कि वर्तमान प्रतावली में पारी खातेदार नहीं हैं। कतः मीठा समीक्षण की रिपोर्ट के अनुसार दावा तारहीन हो गया है। तारहीन होने से दावा खारिज किया जाता है। पत्तावली की मूल शुमार दोहरा 17 नवंबर ले 100 है।</p> <p style="text-align: right;">(31) उपरान्त चाकसू जिला जयपुर</p>
-----------------	--